कुक्कुट पालन विषय पर ग्रामीण युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण का आयोजन

कुक्कुट विज्ञान विभाग, पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय जबलपुर में दिनांक 11–16 मार्च 2024 तक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ सीता प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन में, डॉ आर के शर्मा के निर्देशन में एवं प्रशिक्षण निर्देशक डॉ. गिर्राज गोयल के आगुवाई में एवं केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन पश्चिम क्षेत्र मुम्बई के वित्तीय सहयोग से छह दिन के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 55 ग्रामीण युवाओं ने भागीदारी की एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सीता प्रसाद तिवारी कुलपति नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री देवेश उपाध्याय द्वारा किया गया। माननीय कुलपति जी ने ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण उपरांत मुर्गीपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे, डॉ. सुनील नायक, संचालक विस्तार ने प्रशिक्षणार्थियों को छोटे स्तर से मुर्गीपालन को करने के लिए प्रेरित किया और इसे एकीकृत कृषि का एक अभिन्न हिस्सा बताया। कार्यक्रम के आयोजक के रूप में डॉ. विशाल नरवड़े, सहायक संचालक, केन्द्रीय कुक्कुट विकास संगठन, पश्चिम क्षेत्र, मुम्बई उपस्थित रहें। उन्होंने कहा कि खेती के साथ–साथ मुर्गीपालन को व्यवसाय के रूप में अपनाने से अतिरिक्त आय प्राप्त होती है। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को मुर्गीपालन से जुड़े सभी विषयों पर विभाग के प्राध्यापकगण एवं केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन, पश्चिम क्षेत्र मुंबई के सहायक संचालक द्वारा विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। वहीं नाबार्ड एवं पशुपालन विभाग द्वारा चलाई गई योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। सहायक प्राध्यापक डॉ. अनिल शिंदे ने प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण पूर्व एवं पश्चात् मूल्यांकन किया। इस दौरान विभाग अन्य प्राध्यापक गण डॉ. वैशाली खरे एवं डॉ. लक्ष्मी चौहान भी उपस्थित थे। एक सप्ताह के इस प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य एवं प्रक्षेत्र भ्रमण भी कराया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर